मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

## जामिया में संस्कृत कवि-सम्मेलन और त्रिदिवसीय राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के संस्कृत विभाग एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 13-15 फरवरी 2026 तक 'भारतीय ज्ञान परम्परा का लोक-सांस्कृतिक पक्ष (Socio-Cultural Aspects of Indian Knowledge Systems)' विषय पर तीन-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सङ्गोष्ठी का उद्घाटन जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. धनञ्जय सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन सत्र में बीज-वक्तव्य देते हुए महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने भारतीय ज्ञान परम्परा के लोकसांस्कृतिक पक्ष के विविध आयामों का विस्तार से प्रतिपादन किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति प्रो. मज़हर आसिफ़ ने लोकसंस्कृति के मूलभूत तत्त्वों को अनेक उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करते हुए अपनी लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु छात्रों को प्रेरित किया। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जय प्रकाश नारायण ने अभ्यागत अतिथियों का वाचिक स्वागत किया तथा मानिविकी एवं भाषा के सङ्कायाध्यक्ष प्रो. इक्तिदार मो. खान ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से हुआ। मङ्गलाचरण के रूप में कुरान के आयतों एवं वेदमन्त्रों के पाठ के पश्चात् जामिया तराना भी प्रस्तुत हुआ। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत विभाग की सहायक आचार्या डॉ. जहाँ आरा ने किया।

सङ्गोष्ठी के प्रथम दिवस की सान्ध्य वेला में भारतीय लोक-संस्कृति पर आधारित एक सांस्कृतिक सन्ध्या का आयोजन किया गया था जिसमें प्रतिभागिता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के अङ्गीभूत महाविद्यालयों के छात्रों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के कलाकारों द्वारा अपनी एकल/सामूहिक प्रस्तुतियों द्वारा भी विविध क्षेत्रीय संस्कृति की विशेषताओं को प्रदर्शित किया गया।

सङ्गोष्ठी के द्वितीय दिवस दिनाङ्क 14.02.2026 के सान्ध्य वेला में भारतीय लोक संस्कृति पर केन्द्रित एक अखिल भारतीय संस्कृत कवि-सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। यह सम्मेलन सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति एवं संस्कृत के प्रख्यात आचार्य, महाकवि, पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । इस सम्मेलन में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव प्रो. मो. महताब आलम रिज़वी एवं कुलानुशासक डॉ. मो. असद मलिक की गरिमामयी उपस्थिति रही।
कवि-सम्मेलन में भारत के विविध विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों से सम्बद्ध 15 कवियों ने काव्यपाठ किया जिनमें प्रो. वैद्यनाथ मिश्र, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, श्री प्रेम शङ्कर शर्मा, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, साहित्य अकादमी पुरस्कृत, डॉ. उमामहेश्वर एन्०, दाक्षिणात्य संस्कृत कवि, डॉ. आभा झा, संस्कृत प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. अरविंद कुमार तिवारी, संस्कृत प्रवक्ता,

आदर्श वैदिक कॉलेज, बागपत, डॉ युवराज भट्टराई, संस्कृत प्राध्यापक, दिल्ली, डॉ. राजकुमार मिश्र, हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, डॉ. ऋषिराज पाठक, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली, डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, डॉ. एम० किशन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने संस्कृत में तथा प्रो० मो० एहशानुल हक (कौसर मजहरी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने उर्दू में, डॉ० यासिर अब्बास, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने फारसी में तथा डॉ० महफूजूर रहमान, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अरबी में काव्यपाठ किया।

सम्मेलन में काव्यपाठ करने वाले सभी कवियों ने अपनी अभिनव रचनाओं के माध्यम से लोकनिहित भावों को अभिव्यक्त करते हुए विविध क्षेत्रीय संस्कृति के वैशिष्ट्य को रेखङ्कित किया। सम्मेलन में उपस्थित जामिया के अनेक विभागों के आचार्यों, सङ्गोष्ठी में सहभागिता करने के लिए आये हुए देश के विविध विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं अन्य संस्थानों के आचार्यों, शोधछात्रों एवं जामिया के छात्रों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति से कवि-सम्मेलन के इस कार्यक्रम को अत्यन्त सफल बनाया।

सङ्गोष्ठी का सम्पूर्ति सत्र दिनाङ्क 15 फरवरी 2026 को मध्याह्न 2:30 बजे से 05 बजे तक संस्कृत विभाग के सङ्गोष्ठी कक्ष में आयजित हुआ था। यह सत्र प्रो. रञ्जन कुमार त्रिपाठी, अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. रमेश चन्द्र गौड़, अधिष्ठाता (प्र.) इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली की अपनी गरिमायी उपस्थिति रही। सम्पूर्ति सत्र में विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. अभिजित् दीक्षित ने कहा कि शास्त्र का अध्ययन किया जाता है लेकिन लोक का अध्ययन नहीं किया जाता बल्कि लोकदृष्टि बनायी जाती है।

मुख्य अतिथि प्रो. रमेश चन्द्र गौड़ ने अपने उद्बोधन में लोक संस्कृति के विविध पहलुओं पर विचार प्रकट करते हुए संस्कृत पाण्डुलिपियों में निहित लोकचिन्तन को उद्घाटित करने हेतु संस्कृत के अध्यापकों एवं छात्रों को प्रेरित किया। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. कुमार रञ्जन त्रिपाठी ने संस्कृत साहित्य में निहित लोकचिन्तन का विस्तार से प्रतिपादन करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा के लोकसांस्कतिक पक्ष को रेखाङ्कित किया। समापन सत्र का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन से हुआ। मङ्गलाचरण के रूप में कुरान के आयतों एवं वेदमन्त्रों का पाठ भी किया गया।

संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जय प्रकाश नारायण ने अभ्यागत अतिथियों का वाचिक स्वागत एवं सङ्गोष्ठी के संयोजक डॉ. धनञ्जयमणि त्रिपाठी, सह-आचार्य, संस्कृत विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समस्त संगोष्ठी का प्रतिवेदन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. जहाँ आरा ने प्रस्तुत किया तथा सम्पूर्ति सत्र का सञ्चालन डॉ. मणि शङ्कर द्विवेदी ने किया।
इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में कुल 12 शैक्षणिक विशिष्ट सत्रों का समायोजन किया गया जिसमें 40 विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान 36 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। जामिया के अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू, फारसी, इतिहास आदि विभागों के आचार्यों, अभ्यागत विद्वानों, विभागीय प्राध्यापकों एवं छात्रों की उपस्थिति ने सङ्गोष्ठी के समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाया। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन सत्र एवं समापन सत्र सम्पन्न हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एवं
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्(ICSSR),नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
प्रो. धनञ्जय सिंह
प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
प्रो. मज़हर आसिफ
कुलगुरु
प्रो. सञ्जीव कुमार शर्मा

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एवं
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्(ICSSR),नई दिल्ली
विकसित भारत अभियान
प्रो. धनञ्जय सिंह
प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
प्रो. मज़हर आसिफ
कुलगुरु
प्रो. सञ्जीव कुमार शर्मा
प्रो. मुरलीमनोहर पाठक
भारत

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
(राष्ट्रीय मूल्याङ्कन परिषद् से A++ श्रेणी प्रत्यायित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
द्वारा आयोजित
लोक-संस्कृति पर आधारित
संस्कृत कवि-सम्मेलन
14 फरवरी 2026 (शनिवार), सायं 05:30 बजे
संरक्षक
कुलसचिव, जामिया मिल्लिया इस्लामिया

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
(राष्ट्रीय मूल्याङ्कन परिषद् से A++ श्रेणी प्रत्यायित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
द्वारा आयोजित
लोक-संस्कृति पर आधारित
संस्कृत कवि-सम्मेलन
14 फरवरी 2026 (शनिवार), सायं 05:30 बजे
मुख्य संरक्षक
प्रो. मज़हर आसिफ
कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
संरक्षक
महताब आलम रिज़वी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
अध्यक्षता
राजेन्द्र मिश्र

कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
14 फरवरी 2026 (शनिवार), सायं 05:30 बजे
अध्यक्षता
राजेन्द्र मिश्र
संस्कृत

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
(राष्ट्रीय मूल्याङ्कन परिषद् से A++ श्रेणी प्रत्यायित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
द्वारा आयोजित
लोक-संस्कृति पर आधारित
मुख्य संरक्षक
प्रो. मज़हर आसिफ
कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
संरक्षक
संस्कृत कवि-सम्मेलन
14 फरवरी 2026 (शनिवार), सायं 05:30 बजे
अध्यक्षता

विकसित भारत अभियान
संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एवं
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्(ICSSR),नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी
'भारतीय ज्ञान परम्परा
-सांस्कृतिक पक्ष'
(Socio-Cultural Aspect
Systems)
13 से

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एवं
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद(ICSSR),नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी

विकसित भारत अभियान
संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
एवं
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्(ICSSR),नई दिल्ली
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी
‘भारतीय ज्ञान परम्परा का लोक-सांस्कृतिक पक्ष’
(Socio-Cultural Aspects of Indian Knowledge Systems)
13 से 15 फरवरी, 2026
प्रो. रञ्जन कुमार त्रिपाठी

संस्कृत विभाग